(ख) इस योजना के अन्तर्गत कुल कितने व्यक्ति नियुक्त किये गये हैं और कितने नियुक्त किये जायेंगे ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) चालू वित्तीय वर्ष में अब तक ५३,३७० रुपये खर्च करने की मंजूरी मिली है। अक्टूबर १९५७ के अन्त तक कोई खर्च नहीं हुआ है।

(ख) अक्टूबर १९५७ के अन्त तक किसी को भी नियुक्त नहीं किया गया। योजना पर अमल होने पर ४२५ आदमियों को नियुक्त किया जायेगा।

दस्तकारी प्रशिक्षक

९२४. **श्री राजा रमण** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कोनी बिलासपुर की केन्द्रीय प्रशिक्षक संस्था के पुनर्गठन के हेतु दस्तकारी प्रशिक्षकों की संख्या बढ़ाने के लिये क्या कदम उठाये गये हैं ;

(ख) पुनर्गठन के पश्चात् वहां पर कितने व्यक्तियों को प्रशिक्षण दिया जा सकेगा ;

(ग) द्वितीय पंचवर्षीय योजना काल में इसी प्रकार की एक और संस्था स्थापित करने के प्रस्ताव को कार्यान्वित करने के सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है ;

(घ) इस सम्बन्ध में किन किन सलाहकारों तथा विशेषज्ञों की सेवायें प्राप्त की गई हैं ;

(ङ) उन्होंने अब तक क्या किया है ; और

(च) उन पर कितना खर्च किया गया है ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) कोनी बिलासपुर के प्रशिक्षण केन्द्र की क्षमता बढ़ाने के प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजे गये हैं। इनमें वर्कशाप का विस्तार और मौजूदा मशीनों का पूरा पूरा उपयोग करने तथा नई मशीनें लगाकर उन पर काम करने के लिये ज्यादा बिजली प्राप्त करने के सम्बन्ध में सुझाव शामिल हैं। राज्य सरकार इस सम्बन्ध में कार्यवाही कर रही है।

(ख) ९६ अतिरिक्त अनुदेशकों को प्रशिक्षण दिया जा सकेगा।

(ग) औन्ध में १ नवम्बर, १९५७ से अनुदेशकों के प्रशिक्षण की एक और केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्था ने काम शुरू कर दिया है।

(घ) श्री डब्ल्यू जी० किल्बी
श्री विलियम पावरी चले गये।
श्री जी० फ्रेजर चले गये।
श्री डब्ल्यू० ए० स्टेनसाल

(ङ) उन्होंने कच्चे माल के गोदामों का पुनर्गठन किया, मशीनी और हथ औजारों तथा दूसरे साजो सामान की सूची तैयार की। इस समय वे प्रशिक्षण क्रम, प्रश्न पत्र, पाठ और दस्तकारी अनुदेशकों के प्रशिक्षण के लिये वर्कशाप का पुनर्गठन कर रहे हैं। प्रवर विशेषज्ञ प्रशिक्षण के सिद्धान्त की शिक्षा दे रहे हैं।

(च) ३१ अक्टूबर, १९५७ तक लगभग ३६,११० रुपये।

छटनी किये हुये कर्मचारी

*९२५. **श्री वि० प्र० सिंह** : क्या श्रम और रोजगार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मार्च, १९५७ के पश्चात् कितने ऐसे व्यक्तियों को काम पर लगाया गया

जिनकी सैनिक केन्द्रों और नदी घाटी परियोजनाओं से छंटनी की गई थी ; और

(ख) उनके नये वेतन पुराने वेतनों की तुलना में कम है या अधिक ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) सैनिक केन्द्रो से छटनी के कारण निकाले गये ४१६ व्यक्तियों में से १६७ व्यक्तियों को जिनके नाम १ अप्रैल, १६५७ से स्पेशल रजिस्टर में दर्ज थे, दूसरी जगह काम दिला दिया गया है ।

दामोदर घाटी योजना के अधीन काम करने वाले ४१० पद मुक्त कर्मचारियों में से १६३ व्यक्तियों को, जिनके नाम या तो रजिस्टर में पहले से दर्ज थे, या १ अप्रैल, १६५७ से रजिस्टर मे दर्ज हुये, दूसरी जगह काम दिला दिया गया है ।

(ख) इन कर्मचारियों और उनके नये नियोजको के बीच वेतन सम्बन्धी समझौते की जानकारी प्राप्त नही है ।

काम दिलाऊ दफ्तर

६२६. **श्री वि० प्र० सिंह** : क्या **श्रम और रोजगार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रिहान्द बाध, चम्बल घाटी परियोजना और कोयना बाध के क्षेत्रो मे काम-दिलाऊ दफ्तर चलाने में अब तक क्या प्रगति हुई है ;

(ख) कितने काम दिलाऊ दफ्तर कहा-कहा अब तक खोले जा चुके हैं ;

(ग) इनके द्वारा अब तक कितने व्यक्तियों को काम मिल चुका है ; और

(घ) इन काम दिलाऊ दफ्तरो में कितने व्यक्ति काम करते है ?

श्रम उपमंत्री (श्री आबिद अली) : (क) भारत सरकार ने रिहान्द और कोयना बांध के क्षेत्रों में नियोजन कार्यालय खोले जाने की स्वीकृति दे दी है । राज्य सरकारों से कहा गया है कि जितनी जल्दी हो सके वे इन क्षेत्रो में नियोजन कार्यालय खोलने की व्यवस्था क ।

मध्य प्रदेश और राजस्थान की चम्बल घाटी परियोजना क्षेत्र मे कर्मचारियों के नाम दर्ज करने तथा नियुक्ति के लिये नाम भेजने की तारीखों की जांच हो रही है ।

(ख) तथा (ग). अभी तक कोई नियोजन कार्यालय नहीं खोला गया है ।

(घ) जिला नियोजन कार्यालय अथवा परियोजना नियोजन कार्यालयो में काम करने के लिये एक अफ़सर और तीन क्लर्क नियुक्त किये जाते है ।

अम्बर चर्खा

६२७. **श्री रा० रा० मिश्र** : क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि देश के लोगों को अम्बर चर्खे को अनुपूरक काम के रूप में बताने के लिये सरकार ने क्या उपाय किये है ?

उद्योग मंत्री (श्री मनुभाई शाह) : अम्बर चर्खा कार्यक्रम खादी तथा ग्रामोद्योग कमीशन की मार्फत अमल में लाया जाता है । अम्बर चर्खे को अनुपूरक रोजगार के रूप में लोकप्रिय करने के लिये नीचे लिखे कदम उठाये गये है :—

(१) पत्रिकाओं, प्रदर्शनियों और डाकूमेण्टरी फिल्मो आदि के द्वारा प्रचार करना ।

(२) उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से अम्बर चर्खे मे सुधार करने के लिये गवेषणा करना ।

(३) उत्पादन और बिक्री व्यवस्था सम्बन्धी बहुत से उपाय करना